পাঠ 2
পাঠ

কৃষি বিষয়াৰ লগত

মুকুন্দ, মহেশ্বৰ আদি : নমস্কাৰ, মহাশয়।
মুকুন্দ, महेश्वर आदि : नमस्कार महाशय।

আমি মধুপুৰ গাওঁৰ মানুহ।
आमि मधुपुर गाओँर मानुह।

জৈন : আহা, ভিতৰলৈ আহা।
जॅइन : आहा, भितरलोइ आहा।

মুকুন্দ : মম্প মুকুন্দ মালাকৰ। মোৰ ধানৰ
मुकुन्द : मोइ मुकुन्द मालाकर। मोर धानर

খেতি আছে। অলপ ভাল বীজ
खेति आसे। अलप भालो बीज

দিয়ক।
दियक।

জৈন : নবীন, এওঁক অলপ পুচা ধানৰ
जॅइन : नवीन, एओँक अलप पुसा धानर

বীজ দে। আৰু আপুনি ?
बीज दे। आरु आपुनि ?

মহেশ্বৰ : মম্প মহেশ্বৰ। মোৰ শাক পাচলিৰ
महेश्वर : मोइ महेश्वर। मोर शाक पासोलिर

খেতি আছে। মোৰ বাৰীত বহুত
खेति आसे। मोर बारीत बहुत

পোক পৰুৱা।

कृषि अधिकारी के साथ

मुकुंद, महेश्वर आदि : नमस्कार श्रीमान्। हम मधुपुर गाँव के लोग हैं।

जैन : आओ, अंदर आ जाओ।

मुकुंद : मैं मुकुंद मालाकर हूँ। मेरे पास धान की खेती है। थोड़ा सा अच्छा बीज दे दीजिए।

जैन : नवीन, इनको थोड़ा पुसा धान का बीज दे दे। और आप?

महेश्वर : मैं महेश्वर हूँ। मेरे पास साग सब्जी की काफ़ी खेती है। मेरी बाड़ी में कीड़े मकोड़े बहुत (हो गए) हैं।

पोक परुवा।

জৈন : নবীন, এওঁক অলপ কীনাশক
जॅंइन : नवीन, एओंक अलप कीटनासक

দে। আৰু তোমাক ?
दे। आरु तोमाक?

जैन : नवीन इन्हें थोड़ा-सा कीटनाशक (दवाई) दे दे। और तुम्हें ?

মহাৰথ : মোক কিছু সাৰ দিয়ক। মোৰ পান,
महारथ : मोक किसु स़ार दियक। मोर पान,

তামোল, নেমু আৰু সৰিয়হৰ খেতি
तामोल, नेमु आरु स़रियहर खेति

আছে।
आसे।

महारथ : मुझको थोड़ी खाद दे दीजिए। मेरी पान, सुपारी, नींबू और सरसों की खेती है।

জৈন : বৰ ভাল কথা। এইবোৰ বৰ লাভ-
जॅंइन : बर भाल कथा। एइबोर बर लाभ-

জনক খেতি। নবীন, এওঁক ইউৰীয়া
जनक खेति। नवीन, एआँक युरीया

এমোনা দে।
एमोना दे।

जैन : बड़ी अच्छी बात है। यह बड़ी लाभजनक खेती है। नवीन, इनको यूरिया की एक बोरी दे दे।

মহেশ্বৰ : মহাশয়, আপুনি এবাৰ আমাৰ
महेश्वर : महाश़य, आपुनि एबार आमार

গাওঁলৈ আহক।
गाआँलोइ आहक।

महेश्वर : महाशय, आप एकबार हमारे गाँव आइए।

জৈন : ঠিক আছে, ঠিক আছে। এইবোৰ
जॅंइन : ठीक आसे, ठिक आसे। एइबोर

जैन : ठीक है, ठीक है। ये बीज, खाद और कीटनाशक विषयक किताबें हैं। दो चार तुमलोग ले लो।

বীজ, সাৰ আৰু কীনাশক
बीज, सार आरु कीटनासक
বিষয়ৰ কিতাপ। তোমালোকে দুস্প
बिसयर किताप। तोमालोके दुई
চাৰিখন নিয়া।
सारिखन निया।

সকলোৱেঃ ধন্যবাদ!
सकलुए : धन्यबाद!

সভীলোগ : ধন্যবাদ।

শব্দার্থ (शब्दार्थ)

असमिया शब्द	उच्चारण	अर्थ
আমি	आमि	हम (लोग)
আহা	आहा	(तुम) आओ
ধানৰ	धानर	धान का
খেতি	खेति	खेती
আছে	आसे	है
অলপ	अलप	थोड़ा, अल्प
দিয়ক	दियक	दीजिए / दें
দে	दे	(तू) दे
শাক পাচলিৰ	साक पासोलिर	साग सब्जी की
বাৰীত	बारीत	बाड़ी में
পোক পৰুৱা	पोक परुवा	कीड़े-मकौड़े
ঔষধ	औसध	दवाई
সাৰ	सार	खाद

পান	पान	पान
তামোল	तामोल	पान
নেমু	नेमु	नींबू
সৰিয়হ	सरियह	सरसो
কথা	कथा	बात, बातचीत
এমোনা	एमोना	एक बोरी
এবাৰ	एबार	एक बार
দুই	दुइ	दो
চাৰি	सारि	चार

अभ्यास

I. उदाहरण के अनुसार कोष्ठक में दिए गए शब्दों का प्रयोग कर वाक्यों का विस्तार कीजिए।

उदाहरण :

তোমালোকে নিয়া। (কিতাপ)
तोमालोके निया। (किताप)

→ তোমালোকে কিতাপ নিয়া। (কেম্পখন)
तोमालोके किताप निया। (केइखन)

→ তোমালোকে কিতাপ কেম্পখন নিয়া।
तोमालोके किताप केइखन निया।

1. তোমালোক আহা (ভিতৰলৈ)
तोमालोक आहा (भितरलोइ)

2. আপুনি দিয়ক (অলপ টকা)
आपुनि दियक (अलप टका)

3. তম্প দে (কীটনাশক)
तोइ दे (कीटनासक)

4. আপুনি আহক (গাওঁলৈ, আমাৰ)
   आपुनि आहक (गाँउलोइ, आमार)

5. তুমি দিয়া (তামোল)
   तुमि दिया (तामोल)

II. उदाहरण के अनुसार नीचे दिए गए वाक्यों का परिवर्तन कीजिए।

उदाहरण :

(क) আহা, ভিতৰলৈ আহা।
आहा, भितरलोइ आहा।

→ আহক, ভিতৰলৈ আহক।
आहक, भितरलोइ आहक।

1. মোক অলপ বীজ দে।
   मोक अलप बीज दे।
2. এওঁক অলপ কীনাশক দে।
   एओंक अलप कीटनासक दे।
3. মহাৰথক কিছু সাৰ দে।
   महारथक किसु सार दे।
4. এবাৰ আমাৰ গাওঁলৈ আহ।
   एबार आमार गाओंलोइ आह।
5. জলপান আৰম্ভ কৰ।
   जलपान आरम्भ कर।
6. তোমালোকে দুস্প চাৰিখন লোৱা।
   तोमालोके दुइ सारिखन लोवा।

(ख) মোৰ ধানৰ খেতি।
मोर धानर खेति।

→ মোৰ ধানৰ খেতি আছে।
मोर धानर खेति आसे।

1. মহেশ্বৰৰ শাক পাচলিৰ খেতি।
   महेश्वरर साक पासोलिर खेति।
2. বাৰীত বহুত পোক পৰুৱা।
   बारीत बहुत पोक परुवा।
3. মহাৰথৰ পান তামোলৰ খেতি।
   महारथर पान तामोलर खेति।
4. এওঁৰ বাৰীত বহুত সৰিয়হ।
   एओंर बारीत बहुत सरियह।
5. জৈনৰ ঘৰত বহুত কিতাপ।
   जॅइनर घरत बहुत किताप।

III. बहुवचन रूप बनाइए।

उदाहरण :

এম্প
एइ

→ এম্পবোৰ

एइबोर

1. ধান
   धान
2. মানুহ
   मानुह
3. শাক পাচলি
   स़ाक पासोलि
4. পোক পৰুৱা
   पोक परुवा
5. নেমু
   नेमु
6. বীজ
   बीज

IV. कोष्ठक में कुछ हिन्दी शब्द दिए गए हैं। उनके समानार्थक असमिया शब्दों से वाक्य बनाइए।

उदाहरण :

মই মধুপুৰ ________ মানুহ। (गाँव का)

मोइ मधुपुर ________ मानुह।

→ মই মধুপুৰ গাওঁৰ মানুহ।

मोइ मधुपुर गाआँर मानुह।

1. আহা, ________ আহা। (भीतर)

   आहा, ________ आहा।

2. মোৰ ________ খেতি আছে। (धान की)

   मोर ________ खेति आसे।

3. নবীন ________ অলপ সাৰ দে। (उनको)

   नबीन ________ अलप स़ार दे।

4. আপুনি আমাৰ গাওঁলৈ এবাৰ ________। (आइए)

   आपुनि आमार गाआँलोइ एबार ________ ।

5. এইবোৰ কীটনাশক ________ কিতাপ। (विषय की)

   एइबोर कीटनास़क ________ किताप।

V. उदाहरण के अनुसार कोष्ठक में दिए गए शब्दों का प्रयोग कर वाक्यों का परिवर्तन कीजिए।

उदाहरण :

আপুনি ভিতৰলৈ আহক।
आपुनि भितरलोइ आहक।

(তোমালোক)
(तोमालोक)

→ তোমালোক ভিতৰলৈ আহা।
तोमालोक भितरलोइ आहा।

1. আপুনি আৰম্ভ কৰক।
आपुनि आरम्भ करक।

(তোমালোকে)
(तोमालोके)

(মহেশ্বৰে)
(महेश्वरे)

(তম্প)
(तोइ)

(মুকুন্দম্প)
(मुकुन्दइ)

(মহাৰথে)
(महारथे)

2. মোৰ পান তামোলৰ খেতি আছে।
मोर पान तामोलर खेति आसे।

(সৰিয়হ)
(स़रियह)

(ধান)
(धान)

3. মোক অলপ সাৰ দিয়ক।
मोक अलप सार दियक।

(এওঁ)
(एओं)

(মহাৰথ)
(महारथ)

(মুকুন্দ)
(मुकुंद)

(ককাম্পদেউ)
(ककाइदेउ)

(ভাম্প)
(भाई)

4. মহাৰথক এমোনা সাৰ দিয়ক।
महारथक एमोना सार दियक।

(ঔষধ)
(औषध)

(সৰিয়হ)
(स़रियह)

(শাক পাচলি)	(কীনাশক)
(সাক পাসোলি)	(কীটনাসক)
(নেমু)	(ধান)
(নেমু)	(ধান)
(নাৰিকল)	(কিতাপ)
(নারিকল)	(কিতাপ)

VI. उदाहरण के अनुसार दिए गए शब्दों को सही क्रम में रखकर वाक्य बनाइए।

उदाहरण:

मानুহ মুকুন্দ গাৱৰ মধুপুৰ
मानुह मुकुन्द गावर मधुपुर

→ মুকুন্দ মধুপুৰ গাৱৰ মানুহ।
मुकुन्द मधुपुर गावर मानुह।

1. আছে খেতি মহেশ্বৰৰ শাক-পাচলিৰ
   आसे खेति महेश्वरर साक-पासलिर
2. পোকপৰুৱা বাৰীত আছে বহুত শাক-পাচলিৰ
   पोकपरुवा बारीत आसे बहुत साक-पासलिर
3. মহৰথৰ আছে খেতি আৰু সৰিয়হৰ তামোল নেমু
   महारथर आसे खेति आरु सरियहर तामोल नेमु
4. আহক আপুনি মহাশয় গাৱলৈ আমাৰ এবাৰ
   आहक आपुनि महाशय गावलोइ आमार एबार

पढ़िए और समझिए।

আধুনিক খেতি (आधुनिक खेति)

মুকুন্দ মধুপুৰ গাওঁৰ মানুহ। তেওঁৰ শাক পাচলিৰ খেতি আছে। তেওঁৰ খেতিৰ ফচল

মুকুন্দ মধুপুর গাওঁর মানুহ। তেওঁর স়াক পাসোলির খেতি আসে। তেওঁর খেতির ফসল বহুত। গতিকে তেওঁৰ উপার্জনো ভালেখিনি।
बहुत। गतिके तेओंर उपार्जनो भालेखिनि।

যোগেন নগৰৰ মানুহ। তেওঁৰ এখন সাৰৰ দোকান আছে। দোকানত কীনাশক আছে।
जोगेन नगरर मानुह। तेओंर एखन स़ारर दोकान आसे। दोकानत कीटनास़क आसे।

তেওঁক অলপ`কা লাগে। তেওঁক এখন বিপনি লাগে। এখন পুৰণি গাড়ীও লাগে।
तेओंक अलप तका लागे। तेओंक एखन बिपनि लागे। एखन पुरनि गाड़ीओ लागे।

ৰজত, তুমি কিতাপ দুখন নিয়া। ঘৰত ভালকৈ পঢ়া। কিতাপৰ মতে সাৰ দিয়া।
रजत, तुमि किताप दुखन निया। घरत भालकोइ पढ़ा। कितापर मते स़ार दिया।

কীনাশক ব্যৱহাৰ কৰা। ভাল বীজ প্রয়োগ কৰা। ফচল ওচৰৰ সমবায়ত দিয়া।
कीतनास़क ब्यवहार करा। भाल बीज प्रयोग करा। फसल ओसरर स़मबायत दिया।

নবীন, তম্প এম্প বীজবোৰ নে। এওঁক এবস্তা ধান দে। আমালৈ অলপ চাহ কৰ।
এম্প
नबीन, तोइ एइ बीजबोर ने। एओंक एबस्ता धान दे। आमालोइ अलप साह कर। एइ

পিঠাবোৰ নে। চাহৰ লগত দে। তয়ো অলপ চাহ খা।
पिठाबोर ने। साहर लगत दे। तयो अलप साह खा।

नये शब्द

असमिया शब्द	उच्चारण	हिन्दी अर्थ
ফচল	फसल	फसल
উপার্জন	उपार्जन	उपार्जन
ভালেখিনি	भालेखिनि	पर्याप्त
নগৰৰ	नगरर	नगर का
বিপনি	बिपनि	दुकान
পুৰণি	पुरणि	पुराना

দোকান	दोकान	दुकान
ঘৰত	घरत	घर में
ভালকৈ	भालकोइ	अच्छी तरह
মতে	मते	के अनुसार
ব্যৱহাৰ	ब्यवहार	व्यवहार
ওচৰৰ	ओसरर	पास का
সমবায়	स़मवाय	समवाय, सहकारी
এবস্তা	एबस्ता	एक बोरी
লগত	लगत	के साथ
খা	खा	खाना

अभ्यास

I. सही शब्द भरकर वाक्य पूरे कीजिए।

মুকুন্দ মধুপুৰ _____ মানুহ।

मुकुन्द मधुपुर _____ मानुह।

তেওঁৰ খেতিৰ _____ বহুত।

तेओंर खेतिर _____ बहुत।

যোগেনৰ এখন সাৰৰ _____ আছে।

जोगेनर एखन स़ारर _____ आसे।

তুমি কিতাপ _____ নিয়া।

तुमि किताप _____ निया।

কিতাপ _____ পঢ়া।

किताप _____ पढ़ा।

আমালৈ অলপ চাহ __________ ।

आमालोइ अलप साह __________ ।

চাহৰ লগত পিঠা __________ ।

साहर लगत पिठा __________ ।

তয়ো অলপ __________ খা।

तयो अलप __________ खा।

II. बहुवचन रूप बनाइए :

এই एइ	বস্তা बस्ता	ফচল फसल
লাৰু लारु	কিতাপ किताप	দোকান दोकान

III. वाक्य बनाइए :

ফচল, বিপনি, ভালেখিনি
फसल, बिपनि, भालेखिनि

ভালকৈ, মতে, লগা, পুৰণি
भालकोइ, मते, लगा, पुरनि

IV. हिंदी में अनुवाद कीजिए।

তুমি শাক-পাচলিৰ খেতি কৰা। খেতিত ভালকৈ সাৰ দিয়া। খেতিত কীটনাশক
तुमि स़ाक-पास़लिर खेति करा। खेतित भालकोइ सार दिया। खेतित कीटनास़क
ব্যৱহাৰ কৰা। ভাল বীজ প্ৰয়োগ কৰা। আজিকালি শাক-পাচলিৰ খেতিত বৰ লাভ।
ब्यवहार करा। भाल बीज प्रयोग करा। आजिकालि स़ाक-पास़लिर खेतित बर लाभ।

V. असमिया में अनुवाद कीजिए।

मैं गाँव में रहता हूँ। गाँव में मेरी साग-सब्जी की दुकान है। दुकान में मैं कीटनाशक दवाएँ भी रखता हूँ। त्योहारों पर खिलौने आदि भी रखता हूँ। मेरे पास एक साइकिल भी है। मैं आसपास के गाँवों में जाता हूँ। वहाँ भी सामान बेचता हूँ।

VI. कृषि अधिकारी के बारे में एक अनुच्छेद लिखिए।

टिप्पणियाँ

1. তুমি (तुम) : मध्यम पुरुष एक वचन का समानार्थक रूप है। जो व्यक्ति मित्र स्थानीय होते हैं उनको 'তুমি' (तुमि) कहा जाता है। 'তুমি' (तुमि) के साथ जो क्रिया प्रयोग में आती है उसमें वर्तमान काल एवं भविष्य काल में -আ (-आ) जोड़ा जाता है। जैसे --

তুমি কৰ + -আ >	কৰা	तुमि कर + -आ >	करा
তুমি আন + -আ >	আনা	तुमि आन + -आ >	आना

लेकिन अकारांत और आकारांत धातु के '-অ', '-আ' का रूप '-ओ' हो जाता है। जैसे --

তুমি খা + -আ >	খোৱা	तुमि खा + -आ >	खोवा
তুমি ক + -আ >	কোৱা	तुमि क + -आ >	कोवा

2. সম্প্রদান কাৰক (सम्प्रदान कारक) : जब किसी स्थानवाचक शब्द में 'आना' और 'जाना' क्रिया का प्रयोग होता है तब स्थानवाचक व्यंजनांत शब्दों के साथ -অলৈ (-अलोइ) और स्वरांत शब्दों के साथ -লৈ (-लोइ) जोड़ा जाता है। जैसे --

ভিতৰ + -অলৈ >	ভিতৰলৈ	भितर + -अलोइ >	भितरलोइ
ঘৰ + -অলৈ >	ঘৰলৈ	घर + -अलोइ >	घरलोइ
বাৰী + -লৈ >	বাৰীলৈ	बारी + -लोइ >	बारीलोइ

3. কর্মকাৰক (कर्मकारक) : कर्मकारक के लिए व्यंजनांत शब्दों के साथ -অক (-अक) और स्वरांत शब्दों के साथ -ক (-क) जोड़ा जाता है। जैसे --

জৈন + -অক > জৈনক জৈন্ + -অক > জৈনক

মুকুন্দ + -অক > মুকুন্দক মুকুন্দ + -অক > মুকুন্দক

परन्तु व्यक्तिवाचक सर्वनाम के कर्मकारक में कुछ परिवर्तन होते हैं। जैसे --

মম্প + -ক > মোক মই + -ক > মোক

তুমি + -ক > তোমাক তুমি + -ক > তোমাক

আপুনি + -ক > আপোনাক আপুনি + -ক > আপোনাক

তম্প + -ক > তোক তোই + -ক > তোক

4. क्रिय़ा विभक्ति -এ (क्रिया विभक्ति - ए) : वर्तमान काल में अन्य पुरुष की विभक्ति -এ (-ए) है। अकारांत और आकारांत शब्दों के साथ यह -য় (-य) रूप में जोड़ी जाती है। जैसे - -

তেওঁ আছ + -এ > আছে তেওঁ আস + -এ > আসে

তেওঁ কৰ + -এ > কৰে তেওঁ কর + -এ > করে

জৈনে ক + -এ > কয় জৈনে ক + -এ > কয

ৰামে খা + -এ > খায় রামে খা + -এ > খাए

5. তম্প (तू) : मध्यम पुरुष का तुच्छार्थक रूप তম্প (तू) होता है। তম্প (तू) के साथ अनुज्ञा भाव में जो क्रिया जोड़ी जाती है, उसमें खाली धातु होती है। जैसे --

তম্প দে। তোই দে।

তম্প আহ। তোই আহ।

7. ৰাক্যৰ আৰ্হিৰ বিষয়ে (वाक्य की संरचना के बारे में) : इस पाठ में क्रियाहीन वाक्यों की पुनरावृत्ति की गई है। इसके अलावा मध्यम पुरुष के तुच्छार्थक और आदरसूचक रूप के

साथ अनुज्ञा क्रिया के रूपों का प्रयोग दिखाया गया है। साथ ही व्यक्तिवाचक और निर्देशात्मक (संकेतार्थक) सर्वनामों के बहुवचन का रूप भी सिखाया गया है।